पाठ-1 प्रकृति का संदेश

- शब्द-ज्ञान अपने Hindi c/w copy में लिखे-

- अपने पाठ्य पुस्तक में करे-

प्र-1 कविता को अच्छे से पढ़कर कविता की पंक्ति पूरी करे-

प्र-2 दिए गए प्रश्नों के उत्तर में ✓ का निशान लगाइए-

क) मीठी-मीठी मृदुल उमंग भरने के लिए कौन कह रहा है?

सागर ☐ तरल तरंग ☑

ख) संसार ढकने के लिए कौन कह रहा है?

आकाश ☑ बादल ☐

- अपने c/w copy में लिखो-

प्र-3 प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) सागर हमसे क्या कहता है?

उत्तर सागर हमसे कहता है, लहराकर मन में गहराई लाओ।

ख) पृथ्वी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- पृथ्वी से हमें धैर्य न छोड़ने की प्रेरणा मिलती है।

ग) यह कविता किसने लिखी है?

→ यह कविता 'सोहनलाल द्विवेदी' जी ने लिखी है।

पाठ से आगे

क) प्रकृति सबसे अच्छी शिक्षक कैसे है?

उत्तर- प्रकृति सबसे अच्छी शिक्षक है, क्योंकि प्रकृति के प्रत्येक चीज से हमें कुछ न कुछ सीखने को मिलती है।

Scanned with CamScanner

भाषा ज्ञान अपने पाठ्य पुस्तक में करे –

1. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्दों में ✓ निशान लगाइए –

पृथ्वी – भू ☑ धरा ☑ आसमान ☐
जगत – शहर ☐ दुनिया ☑ संसार ☑
पहाड़ – पर्वत ☑ मिट्टी ☐ गिरि ☑
बादल – जननी ☐ मेघ ☑ घन ☑
आकाश – गगन ☑ घटा ☐ नभ ☑
समुद्र – नदी ☐ सागर ☑ सिंधु ☑

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द छाँटकर लिखिए –

ऊँचे – नीचे अपने – पराए
तरल – ठोस कड़वी – मीठी
आकाश – पाताल सेवक – स्वामी

Scanned with CamScanner